Title: Need to set up fertiliser plants at Mashrakh in Chhapra and Basantpur in Siwan districts of Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, 15 नवंबर को झारखंड राज्य के अस्तित्व में आ जाने के पश्चात् शेा बिहार मुख्य रूप से कृाि पर निर्भर रह गया है। झारखंड से अलग शेा बिहार औद्योगिक विकास की दृटि से लगभग शून्य है। ऐसे में कृाि के सम्यक विकास पर पुरजोर ध्यान दिये जाने, किसानों को कृाि के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराने तथा कृाि हेतु साधन मुहैया कराये जाने की सख्त आवश्यकता है। यूं भी बिहार के बटवारे का सबसे बुरा असर किसानों पर पड़ा। महोदय, उत्तरी बिहार के किसान वैसे भी कभी बाढ़ तो कभी सूखा और कभी लागत का अभाव, तो कभी खाद की कमी के कारण बेहद गरीबी की स्थिति में है। मेरे संसदीय क्षेत्र में पड़ने वाले दो जिले छपरा एवं सीवान मूलत: कृाि प्रधान जिले हैं तथा यहां की कुल आबादी कृाि पर निर्भर है।

मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के दोनों जिलों छपरा एवं सीवान में क्रमश: मशरख तथा बसंतपुर में जैविक खाद का कारखाना स्थापित किया जाये तथा अविलंब जैविक खाद का कारखाना लगाने हेतु कृभको अध्यक्ष को निर्देशित किया जाये।